SEMINAR ACTIVITY

मैं शिवानी कुमारी B.Ed सत्र 2021-2023 की छात्रा/अध्यापिका हूँ। मेरा वर्ग क्रमांक 42 है। मुझे मेरे महाविद्यालय St. Paul Teachers' Training College, Birshinghpur से द्वितीय वर्ष के internship के लिए ;

सेमिनार का महत्व :-

सेमिनार का हिन्दी संगोष्ठी होता है जिसका शाब्दिक अर्थ अगर हिन्दी में निकाला जाए तो किसी खास विषय पर, उस विषय के विशेषज्ञ विशेष बात बताते हैं। यह सेमिनार दो से तीन दिनों तक आयोजित किया जाता है जिसमें प्रथम दिन विभिन्न जगह से आये हुए विद्वानों का परिचय होता है, सत्र उद्घाटन होता है। दूसरे दिन Proper Presentation होता है इसमें आए हुए विद्वान सेमिनार में रखे गए Topic पर अपना-अपना विचार paper के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं। इस Technical Session में विषयवार expert भी बैठे होते हैं, इसमें सामने बैठे सेमिनार सहभागियों के बीच विचार प्रस्तुत किया जाता है, जिसमें सहभागी प्रश्न पूछने के लिए स्वतंत्र होते हैं। प्रश्न पूछने वाले को जब तक प्रस्तुतकर्ता संतुष्ट नहीं कर देते हैं तब तक

Seminar पूरा नहीं होता है। अगर किसी कारण से प्रस्तुतकर्ता प्रश्नों का उत्तर अधूरा दिया तो वहां बैठे Expert सहभागियों को संतुष्ट करते। फिर इसके बाद समापन समारोह मनाया जाता है तथा उसके बाद सारे विद्वान अपने अपने गंतव्य स्थान के लिए चल देते हैं। हमारे महाविद्यालय में निम्नलिखित Topic पर seminar मनाया गया है जिसमें हमलोग भाग लेते थे -

i) स्वामी विवेकानंद जयंती (12 जनवरी)
ii) महिला सशक्तिकरण
iii) शिक्षा में कला का महत्व
iv) Impact of Covid in Education
v) शिक्षा में मातृभाषा का स्थान

जो हमारे महाविद्यालय में हर गुरुवार को कराया जाता था जिसमें सभी महाविद्यालय के छात्र भाग लेते हैं और अपने विचार को प्रकट करते हैं।

स्वामी विवेकानंद जयंती

हमारे महाविद्यालय में दिनांक को Seminar का आयोजन कराया गया जिसमें बहुत से बच्चों ने भाग लिया। इस सेमिनार में सबों ने अपना-अपना मंतव्य दिया जैसा कि TOPIC था। मैंने भी इस सेमिनार में भाग लिया तथा अपना मतव्य रखा।

इस TOPIC को ध्यान में रखते हुए मैंने कहानियों के माध्यम से स्वामी ~~विवेक~~ विवेकानंद जी के बारे में अपना विचार प्रस्तुत किया। स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़ी हुई बहुत सारी प्रेरक कहानियाँ सभी सहभागियों ने प्रस्तुत किया जिससे हमें हमारे जीवन में अग्रसर होने का एक महत्वपूर्ण उदाहरण मिला। स्वामी विवेकानंद जी के ~~के~~ एकाग्रता, उनके धैर्य और शांति के बारे में जानने का मौका मिला। उनके जीवन से जुड़ी कई कहानियाँ, उनके रहन सहन और बहुत सी बातों पर चर्चा हुई जिससे हमें अपने जीवन को और बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगा। हमें उनके कर्मों और उनके कार्यों को अपने जीवन में उतारना चाहिए जैसे कि :-

"उठो चलो! और तब तक रुको मत
जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो।"

ऐसे वक्यों से हमारे जीवन में नयी उत्साह, उमंग, ज्ञान, ऊर्जा

एवं मानसिकता का विकास होता है जो हमें अपनी नैतिकता का विकास करने में मदद करता है। बहुत-सी बातों का सीख मिला हमें इस Seminar के जरिए।

शिक्षा में कला का महत्व :

हमारे महाविद्यालय में दिनांक को सेमिनार का आयोजन कराया गया जिसमें बहुत से बच्चों ने भाग लिया। इस सेमिनार में सबों ने अपना - अपना मंतव्य रखा जिसका Topic था "शिक्षा में कला का महत्व।"

इस Topic को ध्यान में रखते हुए मैंने कला का परिचय दिया फिर कला का हमारे जीवन में क्या महत्व है और कितना महत्व है? इस दृष्टिकोण से व्यक्त किया कि कला के बिना हमारा जीवन अधूरा है। अगर हम देखे है तो हमारे जीवन के हर क्षण में कला है। हम किस प्रकार चलते है, बोलते है, हमारा किसी भी चीज को देखने का नजरिया क्या है? हम किसी भी काम को किस तरीके से करते है इन सब में कला है।

सही मायने में अगर देखा जाए तो हमारा जीवन ही कला पर निर्भर करता है। हम अपने आप को उत्तम ढंग से प्रस्तुत करते है इसका तरीका ही कला है। शिक्षा के बिना हम मनुष्य पशु के समान होते है। अतः शिक्षा प्राप्त करने में कला एक शस्त्र के समान कार्य करता है। कला हमारी शिक्षा को प्रभावी बनाती है। अगर हमारे शिक्षा में कला का समावेश न हो तो कला और शिक्षा का कुछ भी महत्व नहीं रह जाएगा। अगर हम

छोटे - छोटे बच्चों का उदाहरण ले तो इन्हें नए-नए तरीकों को अपनाकर कुछ सिखाना पड़ता है। छोटे बच्चे को सिखाने के लिए हमें प्रायः हर समय कुछ नया करना होता है जिससे वे आसानी से कुछ सीख सकें। कुछ नया करके सीखाने के बाद बच्चों में पढाई के प्रति उत्सुकता बढ़ेगी। उनमें कुछ नया सीखने की जागरूकता होगी।

अब यही बात बड़ो के साथ भी लागू होती है। बड़े विद्यार्थियों को भी विषय-वस्तु का ज्ञान कला के माध्यम से दिया जाए तो वे भी आसानी से सीखते हैं। उनमे भी सीखने की जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

इसलिए कहा गया है कि कला हमारे जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव डालती है। कला के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने पर हमारी उन्नति एवं विकास होता है। हमारे जीवन में उत्थान का श्रेय कला को ही जाना जाता है। इसलिए कला शिक्षा का प्रमुख अंग है जिससे सब कुछ संभव है।

महिला सशक्तिकरण

हमारे महाविद्यालय में दिनांक 28/01/23 को संगोष्ठी का आयोजन कराया गया। जिसमें बहुत से लोगों ने भाग लिया। इस सेमिनार में मैंने भी भाग लिया जिसका TOPIC था "महिला सशक्तिकरण।"

इस TOPIC के माध्यम से हमने महिलाओं की स्थिति के बारे में विस्तार से जाना। महिला सशक्तिकरण से जुड़े सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक मुद्दों पर अपना विचार व्यक्त किया। सशक्तिकरण की प्रक्रिया में समाज को पारंपरिक पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण के प्रति जागरूक किया जाता है जिसमें महिलाओं की स्थिति को सदैव कमतर माना जाता है। महिला अपने जीवन से जुड़े सभी फैसले स्वयं ले सकती है और परिवार और समाज में अच्छे से रह सकती है। महिला सशक्तिकरण का मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं का वास्तविक अधिकार को प्राप्त करना है। भारत में आधी आबादी महिलाओं की है और विश्व बैंक के रिपोर्ट के अनुसार, अगर भारत की महिलाएँ श्रम में योगदान दे तो भारत के विकास दर में काफी वृद्धि होगी।

महिलाओं के सशक्तिकरण से समाज और देश में बहुत कुछ बदल सकता है। अतः महिला सशक्तिकरण में महिला को हर कदम पर आगे बढ़ाना चाहिए तभी देश

शिक्षा में मातृभाषा का महत्व

हमारे महाविद्यालय में दिनांक 15-02-23 को संगोष्ठी का आयोजन कराया गया जिसका TOPIC था "शिक्षा में मातृभाषा का महत्व।" इस संगोष्ठी में बहुत से प्रशिक्षु ने भाग लिया।

मातृभाषा के गर्भ में जातीय बिंदु को पूर्ण और उच्च प्रकृति बनाने की शक्ति होती है। मातृभाषा के प्रचार से सदाचार को किसी विचित्र तथा विलक्षण मानसिक प्रभाव को के कारण अत्यंत लाभ होता है। मातृभाषा के द्वारा हम जो कुछ भी सीखते है वह संसार के अन्य किसी भाषा के द्वारा नहीं सीख सकते है।

मातृभाषा किसी भी इंसान के लिए संवाद का जरिया भर नहीं बल्कि वह माध्यम भी है जिसके साथ उनकी समृद्ध विरासत जुड़ी होती है। जिन देशों में मातृभाषा का पूर्णतया प्रचार है, जिसमें शिक्षा के समस्त कार्य मातृभाषा के माध्यम से हो वह देश ज्यादा तरक्की करता है। राष्ट्रीय एवं सामाजिक जागृति मातृभाषा के द्वारा जातीय, कला, कौशल और साहित्य को पुनर्जीवित करना देश, समाज के शुभचिंतकों का प्रथम कर्तव्य है। कुछ लोग अपनी मातृभाषा में बातचीत करने में अपनी शान-हानि समझते है। इस प्रकार से शिक्षा में मातृभाषा का महत्व बहुत अधिक होता है।

मध्यान भोजन योजना

हमारे महाविद्यालय में दिनांक 20-02-2023 को सेमिनार का आयोजन किया गया जिसका TOPIC था "मध्यान भोजन योजना" इस सेमिनार में बहुत से प्रशिक्षुओ ने भाग लिया सभी ने इस योजना पर अपने विचार व्यक्त किए।

यह योजना भारत सरकार के अंतर्गत पूरे देश के प्राथमिक और लघु माध्यमिक विद्यालयों के छात्र - छात्राओं को दोपहर का भोजन निःशुल्क प्रदान करने का प्रावधान रखा है, इस योजना के माध्यम से विद्यालयों में नामांकन बढ़ने तथा उपस्थिति में प्रगति देखा गया। इस योजना के तहत बच्चों के पौष्टिक स्तर का सुधार करने का प्रयास किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत 15 अगस्त 1995 को किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सलग्न और सरकारी संगठनों के लिए सरकार द्वारा निर्धारित मानदण्ड तैयार करना है।

यह समतावादी मूल्यों के प्रसार में भी सहायता कर सकता है क्योंकि कक्षा में विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमि वाले बच्चों के साथ बैठते है तथा साथ खाना खाते है। विशेष रूप मध्यान भोजन स्कूल में बच्चों के मध्य जाति वर्ग के अवरोध को मिटाने में सहायक हो सकता है एवं स्कूल की भागीदारी में लैंगिक अंतराल को भी

यह कम कर सकता है यह कार्यक्रम। क्योंकि यह बालिकाओं को स्कूल जाने से रोकने वाले अवरोधों को का समाप्त करने में भी सहायक बनाता है।

अतः मिड-डे मील के कारण बच्चे की उपस्थिति भी स्कूल में बढ़ती रहती है एवं उनका स्कूल में पढ़ने का भी मन करता है क्योंकि उनको एक समय का भोजन उन्हें स्कूल में ही मिल जाता है जिसके कारण ज्यादातर बच्चे विद्यालय में उपस्थित रहते हैं।

रविन्द्रनाथ टैगोर

हमारे महाविद्यालय में दिनांक 20-02-2023 को संगोष्ठी का आयोजन कराया गया जिसमें बहुत से लोगों ने भाग लिया। इस सेमिनार में मैंने भी भाग लिया जिसका TOPIC था "रविन्द्रनाथ टैगोर"।

रविन्द्रनाथ टैगोर विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक और भारतीय नोबेल पुरस्कार विजेता हैं। इन्हें गुरुदेव के नाम से भी जाना जाता है। ये बांग्ला साहित्य के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नयी जान फूकने वाले थे। गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई सन् 1861 को कोलकाता में हुआ था।

रविन्द्रनाथ टैगोर एक उपन्यासकार, नाटककार, चित्रकार थे। बचपन में उन्हें प्यार से "रवि" बुलाया जाता था। 8 वर्ष की उम्र में उन्होंने कहानियाँ और नाटक लिखना आरंभ कर दिया। उसके उपरांत वे बहुत सी कहानियों और कविताओं को लिखा जो बहुत ही प्रसिद्ध हुआ। उनकी कहानियाँ प्रेरणादायक होती थी जिससे लोगों को कुछ न कुछ सीखने को मिलता था।

Impact of Covid in Education

हमारे महाविद्यालय में दिनांक 20/02/2023 को सेमिनार का आयोजन किया गया जिसका Topic था "Impact of Covid in Education."

अभी के दौड़ में चल रहे इस महामारी के कारण हजारों लोग मर गये तथा हजारों लोग इस virus की चपेट में आये। लगभग 2 सालों तक स्कूल कालेज तथा अन्य शिक्षण संस्थान बंद होने के कारण ~~संस्थान~~ विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित हुई। इस virus का प्रभाव आने वाले कितने सालों तक देखने को मिलेगा।

इस महामारी के कारण देश की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर हो गयी। महँगाई भी चरम सीमा पर पहुँच गई। इस virus के कारण हमारा जीवन पूर्णतः अस्त-व्यस्त हो गया। सबसे बड़ी हानि शिक्षा के क्षेत्र में हुई। स्कूल तथा कॉलेज बंद होने के कारण बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो गई। उन्हें घर बैठे ऑनलाइन शिक्षा दिया गया जिसका बहुत अधिक सकारात्मक प्रभाव देखने को नहीं मिला। बच्चे Mobile का उपयोग अधिक करने लगे। पढ़ने के लिए ही सही परंतु वह पूर्ण रूप से इस तकनीकी के आदि हो गए। इसका बच्चों पर बहुत ही बुरा प्रभाव देखने को मिला।

हम बात करे online education की वह भी offline की तरह अधिक उपयोगी नहीं रहा। कहीं Network issue तो कहीं बिजली की सही व्यवस्था न रहने के कारण online class सफल नहीं हो पाती है। offline class में बच्चों का शिक्षकों के साथ Eye contact होने की वजह से बच्चे में अधिक समझ विकसित होती है।

अतः हम कह सकते हैं कि इस covid का शिक्षा पर बहुत ही गहरा प्रभाव पड़ा।

BIO-DATA

Name (in Hindi) ....शिवानी कुमारी....

Name (in English) ....Shivani Kumari....

Father's Name....Akhilesh Kumar Singh....

Permanent Address....Harpur pusa Post Pusa....

Local Address....SAMASTIPUR....

Academic Qualification....

Examination	Year	Division	% of Marks	Subject
High School	2015	1st	66.2%	All Subject
Intermediate	2017	1st	75%	Physics, Chemistry Biology
B.A./B.Sc.	2020	1st	69.8%	Zoology (Hons.)
M.A./M.Sc.				

Extra Curriculum Activities....YES....

Teaching Experience....NO....

दिनांक 10-12-22 को मैंने अभिभावक गोष्ठी की जिसमें विद्यार्थियों के अभिभावक आये।

हमारे महाविद्यालय में अभिभावक तथा शिक्षक का गोष्ठी कराया गया जिसमें लगभग 65 अभिभावक उपस्थित हुए। इस गोष्ठी में निम्नलिखित बिंदुओं पर अभिभावक के साथ-साथ बात-चीत हुई। जिसमें मेरा यह प्रयास रहा कि उन्हें संतुष्ट करूं।

बालिका का नाम - सुरुचि कुमारी
पिता का नाम - शैलेश झा
उम्र - 15 वर्ष
रहन-सहन - अच्छा
भोजन - अच्छा
शिक्षण
विषय - हिन्दी
अंग्रेजी
गणित
विज्ञान
संस्कृत
सामाजिक विज्ञान etc

उपरोक्त सभी विषयों पर अभिभावक के साथ बात-चीत किया और बच्चों में जो भी त्रुटियाँ थी उसे दूर करने का प्रयास किया। अगर अभिभावक और शिक्षक दोनों चाहे तो एक अच्छे शिक्षण का निर्माण हो सकता है। दुनिया

के देशों में भारत अपने शिक्षा और संस्कार के लिए जाना जाता है। हमारे बच्चे दिन-प्रतिदिन शिक्षित होते जा रहे हैं लेकिन हम अपनी मूल विद्या खोते जा रहे हैं। एक समय ऐसा आएगा जब हमें अपना अतीत जानने के लिए इतिहास खंगालना होगा अतः हम शिक्षक और अभिभावक का मूल कर्तव्य है कि इन सारी चीजों पर नजर रखें।

दिनांक 22-01-2023 को मैंने अभिभावक गोष्ठी की जिसमें विद्यार्थियों के अभिभावक आये।

हमारे विद्यालय में अभिभावक तथा शिक्षक का गोष्ठी कराया गया जिसमें लगभग 75 अभिभावक उपस्थित हुए। इस गोष्ठी में निम्नलिखित बिंदुओं पर अभिभावक के साथ बात-चीत हुई। इस गोष्ठी में मेरा यह प्रयास रहा कि मैं अभिभावक को संतुष्ट कर सकूँ।

छात्रिका का नाम	—	रूपा कुमारी
पिता का नाम	—	अनिल कुमार वर्मा
उम्र	—	15
रहन-सहन	—	अच्छा
भोजन	—	अच्छा
शिक्षण विषय	—	अँग्रेजी हिन्दी गणित विज्ञान संस्कृत सामाजिक विज्ञान etc

उपरोक्त सभी विषयों पर अभिभावक के साथ हमने बात-चीत किया और उन्हें बताया कि रूपा कुमारी को अँग्रेजी पढ़ने में परेशानी होती है। उसे घर पर भी अंग्रेजी पढ़ते समय ध्यान देने की आवश्यकता है।

उसे घर पर पढ़ने के लिए उत्साहित करना होगा ।

अतः हम शिक्षकों और अभिभावकों का यह कर्तव्य होना चाहिए कि हमें अपने बच्चों पर नजर रखने की आवश्यकता है । बच्चों के विकास हेतु जो भी आवश्यक काम हैं उन्हें पूरा करने का काम हम शिक्षकों के साथ - साथ अभिभावक का भी है । मैंने प्रयास किया कि उनकी समस्या का अच्छे से समाधान कर सकूँ ।

दिनांक 20-02-23 को मैंने अभिभावक गोष्ठी की जिसमें विद्यार्थियों के अभिभावक आए।

हमारे विद्यालय में अभिभावक तथा शिक्षक का गोष्ठी कराया गया जिसमें लगभग 68 अभिभावक उपस्थित हुए। इस गोष्ठी में निम्नलिखित बिंदुओं पर अभिभावक के साथ बात-चीत हुआ। इस विचार-विमर्श में मेरी यह प्रयास रहा कि मैं अभिभावक को संतुष्ट कर सकूं।

बालक का नाम – अविनाश कुमार
पिता का नाम – अशोक कुमार
उम्र – 14 वर्ष
रहन-सहन – अच्छा
भोजन – अच्छा
शिक्षण विषय पर – संस्कृत
हिंदी
अंग्रेजी
गणित
विज्ञान
सामाजिक विज्ञान etc

उपरोक्त सभी विषयों पर अभिभावक के साथ विचार-विमर्श की और अभिभावक को बताया कि अविनाश को

संस्कृत पढ़ने में समस्या होती है उसे घर पर भी पढ़ने का मौका दिया जाए क्योंकि संस्कृत जानना भी बहुत आवश्यक होता है। बच्चे जब तक घर पर पढ़ने की कोशिश नहीं करेंगे तब तक उनके पढ़ने की क्षमता का विकास नहीं हो पायेगा।

अतः हम शिक्षकों और अभिभावकों का यह कर्तव्य है कि हम अपने बच्चों की पढ़ाई पर नजर रखें और उनके विकास हेतु जो भी आवश्यक काम है उन्हें पूरा करें।

दिनांक 01.03.23 को मैंने अभिभावक गोष्ठी का आयोजन करवाया जिसमें विद्यार्थियों के अभिभावक आए।

हमारे विद्यालय में अभिभावक तथा शिक्षक की गोष्ठी कराया गया जिसमें लगभग 85 अभिभावक उपस्थित हुए। इस गोष्ठी में निम्नलिखित बिंदुओं पर अभिभावक के साथ बात-चीत हुई। जिसमें मेरी यह प्रयास रहा कि मैं उन्हें संतुष्ट कर सकूँ।

बालक का नाम	-	राहुल कुमार
पिता का नाम	-	रंजन सिंह
उम्र	-	15 वर्ष
भोजन	-	अच्छा
रहन-सहन	-	अच्छा
शिक्षण विषय-वार	-	सामाजिक विज्ञान
		विज्ञान
		हिन्दी
		गणित
		अंग्रेजी
		संस्कृत

उपरोक्त सभी विचारों पर अभिभावक के साथ हमने बात-चीत किया और राहुल कुमार के बारे में बताया कि राहुल को गणित में समस्या है। इसलिए आपसे राहुल को घर पर भी

ध्यान देने की आवश्यकता है तभी राहुल क्लास में और बच्चों की तरह गणित समझ पाएगा और जान पाएगा।

अतः हम शिक्षकों और अभिभावकों का यह कर्तव्य है कि हमें अपने बच्चों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। हम शिक्षक और अभिभावक ही बच्चों के कमजोर विषयों में मदद करके उस विषय को मजबूत कर सकते हैं।

हमारे विद्यालय में दिनांक 15-03-23, को शिक्षक अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस गोष्ठी में बच्चों के अभिभावक आए। गोष्ठी में लगभग 90 अभिभावकों ने भाग लिया जिनके साथ बहुत से बिंदुओं पर विचार - विमर्श किया गया। इस गोष्ठी में मेरा यह प्रयास रहा कि मैं अभिभावक के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब देकर उन्हें संतुष्ट कर सकूँ।

बालक का नाम - अमित कुमार
पिता का नाम - श्री रविंद्र महतो
उम्र - 16 वर्ष
रहन - सहन - औसत
वेश - भूषा - औसत
भोजन - औसत
शिक्षण
विषय - वार - हिन्दी
अंग्रेजी
~~संस्कृति~~ संस्कृत
गणित
सामाजिक विज्ञान
विज्ञान

उपरोक्त सभी विषयों पर अभिभावक के साथ बात - चीत हुई। अमित का गणित

कमजोर है इससे भी अभिभावक को अवगत कराया गया। अमित का गणित कैसे मजबूत किया जाये इस पर भी बात-चीत हुई। अभिभावक को यह बताया गया कि कक्षा के साथ-साथ उसे घर पर भी गणित मे अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

अन्तः हम शिक्षक और अभिभावक मिलकर अमित की इस कमजोरी को दूर करने का प्रयास कर सकते है।

(15)	(16)

राष्ट्र गान

जन - गण मन अधिनायक जय हे
भारत - भाग्य - विधाता ।
पंजाब सिन्ध गुजरात मराठा
द्राविड उत्कल बंग ।
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा,
उच्छल जलधि तरंग ।
तव शुभ नामे जागे
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा ।
जन - गण - मंगलदायक जय हे,
भारत - भाग्य विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय, जय, जय, जय हे ।।

राष्ट्र गीत

वंदे मातरम् । वंदे मातरम्
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्
शस्यश्यामलां मातरम्
वंदे मातरम् । वंदे मातरम् ।

शुभ्रज्योत्सना पुलकितयामिनीं
फुल्ल कुसुमित द्रुमदलशोभिनीं
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदां वरदां मातरम् ।।
वंदे मातरम् । वंदे मातरम् ।

प्रार्थना

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु ॥
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु ।

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाए हम
विद्या का वरदान तुम्ही से पाए हम
हाँ विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम,
तुम्ही से है आगाज तुम्ही अंजाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु ॥
सुबह सवेरे . . . . . .
करते हैं हम . . . . . .

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बने महान मगन को छु ले हम
हो इतना बने महान गगन को छु ले हम,
तुम्ही से है हर

संविधान की प्रस्तावना

हम भारत के लोग भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी, पंथ - निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक, न्याय विचार, अभिव्यक्ति विश्वास धर्म और उपासना की स्वतंत्रता

प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए

तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर 1949 ई० को एतद द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

प्रार्थना सभा

सर्वप्रथम विद्यालय परिसर में 9:30 बजे विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएँ एवं अध्यापक एवं अध्यापिकाएँ प्रार्थना सभा स्थल में एकत्रित हुए तत्पश्चात् इनमें से तीन छात्राओं द्वारा प्रार्थना सभा कार्यक्रम संचालित किया गया।

प्रार्थना सभा में सर्वप्रथम गायत्री मंत्र का उच्चारण किया गया। इसके बाद प्रार्थना शुरु की गई जिसमें "सुबह सवेरे लेके तेरा नाम प्रभु ..." का उच्चारण किया गया। इसके बाद प्रार्थना शुरु की गई जिस संविधान की प्रस्तावना।

अंतमें राष्ट्रगान का उच्चारण किया गया। "जन-गण-मन ... जय है।"

अंत में छात्रो के द्वारा सुविचार कहा गया तथा प्रधानाचार्य महोदय के द्वारा कुछ ज्ञानात्मक बातें भी बताया गया।

प्रार्थना के बाद सभी बच्चे पंक्तिबद्ध होकर कक्षा-कक्ष में गये तथा कक्षा की गतिविधि प्रारंभ हुई।

छात्र उपस्थिति

सभी छात्र - छात्राएँ अपनी कक्षाओं में उपस्थित हुए। हम में से एक प्रशिक्षु रजिस्टर लेकर कक्षा 10th में गये। सर्वप्रथम बच्चों ने Good morning बोला। उसके बाद मैंने प्रत्येक बच्चे का नाम बोलकर उनकी उपस्थिति दर्ज की।

शिक्षण सहायक कक्षा - कक्ष की अवस्थाएँ

सर्वप्रथम शिक्षक द्वारा कक्षा - कक्ष की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया जिसमें देखा गया कि कक्षा में साफ - सफाई है बिजली तथा वायु प्रकाश की उचित व्यवस्था है।

कक्षा - प्रारंभ

शिक्षक द्वारा समय - सारणी के अनुसार कक्षाएँ प्रारंभ की गई। जिसमें प्रथम चरण सुबह 10 बजे प्रारंभ किया गया। जिसके अंतर्गत गणित विषय की पढ़ाई हुई। इस विषय के अंतर्गत शिक्षक तैयार lesson plan के अनुसार Number system की पढ़ाई हुई।

शिक्षण विधि –

शिक्षण विधि में शिक्षक द्वारा गणित विषय के अंतर्गत व्याख्यान विधि, प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग किया गया।

शिक्षण अधिगम ~~प्रक्रिया~~ सामग्री :-

शिक्षक द्वारा गणित विषय के अंतर्गत प्रकरण से संबंधित श्यामपट्ट, संकेतक का उपयोग किया गया।

आकलन एवं मूल्यांकन :-

शिक्षक द्वारा पढ़ाये गये गणित विषय के द्वारा छात्र – छात्राओं का मूल्यांकन किया गया जिसमें शिक्षक द्वारा पढ़ाये गये प्रकरण से प्रश्न पूछा गया तथा छात्रों ने उसका उत्तर दिया।

लंच ब्रेक →

विद्यालय परिसर में 1:00 बजे छात्र – छात्राओं तथा शिक्षकों का लंच ब्रेक होता है।

पुनः कक्षा प्रारंभ →

लंच समाप्ति के उपरांत पंचम चक्र 1:30 बजे शुरू हुआ। शिक्षक द्वारा पंचम चक्र में अर्थशास्त्र की पढ़ाई तैयार किए गए lesson plan के अनुसार हुआ।

छुट्टी का समय –

बजे विद्यालय में छुट्टी की घंटी बजी। सभी छात्र – छात्राएँ घर जाने के लिए उत्साहित थे। सभी बच्चे पंक्ति - बद्ध होकर कक्षा - कक्ष से बाहर निकले तथा अपने घर की ओर प्रस्थान किए।

वार्षिक कैलेंडर – 2022

DATES					Months						
					Jan / oct	May	AUG	FEB / MAR / NOV	JUN	SEP / DEC	APR / JU
1	8	15	22	29	SAT	SUN	MON	TUE	WED	Thu	FRI
2	9	16	23	30	SUN	MON	TUE	WED	Thu	FRI	SAT
3	10	17	24	31	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT	SUN
4	11	18	25		TUE	WED	THU	FRI	SAT	SUN	MON
5	12	19	26		WED	THU	FRI	SAT	SUN	MON	TUE
6	13	20	27		THU	FRI	SAT	SUN	MON	TUE	WED
7	14	21	28		FRI	SAT	SUN	MON	TUE	WED	THU

उच्च विद्यालय के लिए अवकाश तालिका

क्रम सं०	अवकाश का नाम	अवकाश तालिका अवकाश हिन्दी वाङ्मय (सो०)
1.	नव वर्ष	01
2.	मकर संक्रांति	01
3.	गणतंत्र दिवस	00
4.	बसंत पंचमी	01
5.	महाशिवरात्रि	01
6.	होली, शब-ए-बारात	03
7.	राम नवमी	01
8	गुड फ्राइडे	01
9	ईद-उल-फितर	02
10	ग्रीष्मावकाश	20
11	बकरीद	01
12	मुहर्रम	01
13	रक्षा बंधन	01
14	स्वतंत्रता दिवस	00
15	श्री कृष्ण जन्माष्टमी	01
16	हरितालिका तीज एवं चौथ व्रत	02
17	विश्वकर्मा पूजा एवं चेहल्लुम	01
18	जितिया व्रत	01
19	दुर्गापूजा	09
? 20	दीपावली एवं छठ पर्व	08
21	कार्तिक पूर्णिमा एवं गुरुनानक जयंती	01
22	क्रिसमस डे	00

जिला -समस्तीपुर, वर्ष 2022

अवकाश (उर्दू, बाहुल्य)	दिन एवं तिथि
01	1 जनवरी, शनिवार
00	ब- 14 जनवरी, शुक्रवार
00	26 जनवरी, बुधवार
01	5 फरवरी, शनिवार
01	01 मार्च, मंगलवार
01	19 मार्च, शुक्रवार से शनिवार तक
01	रविवार
00	शुक्रवार
10	अ- सोमवार, मंगलवार ब- 23 अप्रैल मंगल
19	अ- 1 जून, बुध -29 जून बुध
	ब- 6 जून, सोम - 27 जून सोम
	शनिवार से रविवार तक
02	9 अगस्त मंगलवार
01	11 अगस्त, बृहस्पतिवार
01	15 अगस्त, सोमवार
00	19 अगस्त शुक्रवार
00	30 Aug मंगल, 31 Aug, बुधवार
01	17 सितम्बर, शनिवार
01	अ- 18 Sep. रवि 19 Sep. सोमवार तक
02	26 सितम्बर सोमवार -05 अक्टूबर बुधवार तक
08	
07	अ- 24 अक्टूबर - 01 नवम्बर, मंगल
	ब- 24 अक्टूबर, 31 अक्टूबर, सोम
01	8 नवम्बर, मंगलवार
01	25 दिसम्बर, रविवार

Calendar - 2022

January

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30	31					
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

February

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28					

MARCH

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

APRIL

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

MAY

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

JONE

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

JULY

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

AUGUST

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

SEPTEMBER

SON	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

OCTOBER

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

NOVEMBER

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
21	22	23	24	25	26	27
29	30					

DECEMBER

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
20	11	12	13	14	15	16
28	17	18	19	20	21	22
	23	24	25	26	27	28
	29	30	31			

School Routine

PERIODS / DAYS	I	II	III
Monday	Math	Physics	Hindi
Tuesday	Chemistry	Math	Physics
Wednesday	Biology	English	Hindi
Thursday	Math	Chemistry	English
Friday	physics	Math	Biology
Saturday	English	Hindi	Dracoing

IV		V	VI
English		Sanskrit	History
Sanskrit	L U	Geography	Civics
Geography	N C H	History	Economics
Sanskrit	I B	Hindi	Geography
History	R E A	Economics	Hindi
Music	K	Half day	

दैनिक गृहकार्य विवरण

दिनांक - 16/10/22 दिन सोमवार

कालांश	विषय	गृहकार्य विवरण	अभिमत
प्रथम	Math	Solve the Ex. 4.0	
द्वितीय	English	Rem. Word meaning of Ch-7	
तृतीय	Physics	Rem. & Write about force	
चतुर्थ	Hindi	कविता को याद करके आयें।	
पंचम	Sanskrit	पाठ को पढ़कर आयें	
षष्ठी	History	Read about indin civilisation	
सप्तम	Biology	Draw the fig. of Human digestive System	

राज कुमार

अभिभावक का हस्ताक्षर

शिक्षक का हस्ताक्षर

दिनांक — 15/11/22 दिन — मंगलवार

उपस्थित

घंटी	विषय	गृहकार्य विवरण
1	Physics	Do ques of Ch-3
2	Hindi	प्रेमचंद्र के बारे में पढ़कर आये
3	Chemistry	Rem. Chemical formula
4.	English	Do. ques. of Ch-3
5	Geography	Rem. the geographical structure of Earth
6	Civics	Read the lesson
7	Sanskrit Grammar	व्याकरण अनुवाद

रविन्द्र सिंह
अभिभावक का हस्ताक्षर

शिक्षक का हस्ताक्षर

शिक्षकों की सूची

1. प्रधानाध्यापक – रमेश कुमार (स्नातक, बी.एड & एम.एड)
2. सत्यवीर कुमार चौधरी – स्नातक, बी० एड
3. अंजनी कुमारी – (इंटर, डी० एल.एड)
4. राम सेवक दास – (इंटर – डी.एल० एड.)
5. अरविन्द कुमार दास – (स्नातक – बी० एड०)
6. कुमारी काजल – (स्नातक • बी० एड०)
7. चन्द्र मणि – (स्नातक • बी० एड०)
8. कृष्ण कुमार – (स्नातक • बी० एड)
9. नारसीन खबानी – (इंटर – डी० एल० एड०)
10. मुकेश कुमार (स्नातक • बी० एड०)
11. प्रवीण कुमार (स्नातक बी० एड०)
12. प्रशांत कुमार (स्नातक • बी० एड०)

The National flag

The national flag of India (Tiranga) is a horizontal rectangular Tricolour of India Saffron. White and green with Ashoka chakra a 24 spoke wheel in a navy blue at its centre. It was adopted in its present from during a meeting of the constituent Assembly held on 22 July 1947, and it became the official flag

of the Dominion of India on 15 August 1947.

The flag was subsequently retained as that of the Republic of India. In India the term 'tricolour' almost always refers to the India national flag. The flag is based on the Swaraj flag, a flag of the Indian National Congress designed by Pingali Venkayya.

Action Research

Introduction :— क्रियात्मक अनुसंधान एक संकलित, समाधान अनुकूल खोज है जिसे व्यक्ति एवं समूह द्वारा किया जाता है। इसमें विद्यालय में हो रही क्रियाओं का अध्ययन करना और उनमें उन्नयन लाना प्रमुख उद्देश्य है। शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान विद्यालय में हो रही गतिविधियों को जानने के लिए एक प्रयास है जिसमें अनुदेशन में गुणवत्ता लाई जा सके। विद्यालयों की कार्यप्रणाली में सुधार एवं परिवर्तन लाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण विधि है। इसके अनुसार शिक्षक अपने शिक्षण की समस्याओं तथा प्रधानाचार्य विद्यालयों की समस्या के वैज्ञानिक अध्ययन से उनमें सुधार एवं परिवर्तन लाते हैं।

क्रियात्मक अनुसंधान की प्रक्रिया समस्या केंद्रित है। इसका उद्देश्य न तो शोध प्रबंध लिखना होता है। इसका उद्देश्य कक्षा कार्यप्रणाली की समस्या का समाधान करके उसमें सुधार एवं परिवर्तन लाना होता है। शिक्षा के क्षेत्र में आज अनेक ऐसी समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं जिनका सामना शिक्षा से संबंधित प्रत्येक व्यक्तियों को करना पड़ता है। ~~किन्तु~~ क्रियात्मक अनुसंधान विद्यालय के कार्य पद्धति में विकास करने का एक सबल साधन है। क्रियात्मक अनुसंधानों को अंतिम लक्ष्य शिक्षण नियमों की पुष्टि करना होता है।

* **क्रियात्मक अनुसंधान का अर्थ :-**

विद्यालय से संबंधित व्यक्तियों द्वारा अपनी और विद्यालय की समस्याओं का वैज्ञानिक अध्ययन करके अपनी क्रियाओं और विद्यालय की गतिविधियों में सुधार लाना क्रियात्मक अनुसंधान है।

* **क्रियात्मक अनुसंधान की परिभाषा :-**

क्रियात्मक अनुसंधान की परिभाषा बहुत से शिक्षाविदों ने दी है जिसमें से कुछ परिभाषाएँ निम्नलिखित हैं —

i) **मेक ग्रेथटे के अनुसार :-**
"क्रियात्मक अनुसंधान व्यवस्थित खोज की क्रिया है, जिसका उद्देश्य व्यक्ति समूह की क्रियाओं में रचनात्मक सुधार तथा विकास लाना है।"

ii) **स्टीफन एम. कोरे के अनुसार :-**
"शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाने वाला अनुसंधान है ताकि वे अपने कार्यों में सुधार कर सके।"

iii) **मुनरो के अनुसार :-**
"अनुसंधान समस्याओं को ~~कार्यकृत~~ सुलझाने की वह विधि है जिसमें सुझावों की वह विधि है जिसमें सुझावों की पुष्टि तथ्यों द्वारा की जाती है।"

iv) **मौलि के अनुसार :-**
"शिक्षक के समक्ष उपस्थित होने वाली समस्याओं

में से अनेक तत्काल ही समाधान चाहती हैं। मौके पर किये जाने वाले ऐसे अनुसंधान जिसका उद्देश्य तत्कालिक समस्या का समाधान होता है, शिक्षा में साधारणतः क्रियात्मक अनुसंधान के नाम से प्रसिद्ध है।"

* क्रियात्मक अनुसंधान के उद्देश्य :-

1. विद्यालय की कार्य प्रणाली में सुधार तथा विकास करना
2. छात्रों तथा शिक्षकों में प्रजातंत्र के वास्तविक गुणों का विकास करना।
3. विद्यालय में कार्यकर्ताओं, शिक्षक, प्रधानाचार्य, प्रबंधक तथा निरीक्षकों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।
4. विद्यालय के कार्यकर्ताओं में कार्य कौशल का विकास करना।
5. शैक्षिक प्रशासकों तथा प्रबंधकों को विद्यालयों की कार्य प्रणाली में सुधार तथा परिवर्तन के लिए सुझाव देना।
6. विद्यालय की परम्परागत, रूढ़िवादिता तथा यांत्रिक वातावरण को समाप्त करना।
7. विद्यालय की कार्य प्रणाली को प्रभावशाली बनाना। छात्रों के निष्पत्ति स्तर को ऊँचा उठाना।

क्रियात्मक अनुसंधान के क्षेत्र :-

क्रियात्मक अनुसंधान शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है। शिक्षा की दिशा में क्रियात्मक अनुसंधान का कार्य क्षेत्र निम्नलिखित है -

i) कक्षा शिक्षण विधि में सुधार।

ii) कक्षा में सहायक सामग्री की उपयोगिता।

iii) बच्चों की रुचि, ध्यान, तत्परता, उत्सुकता इत्यादि में वृद्धि करना।

iv) गृहकार्य न करके लाना।

v) अनुशासन संबंधी समस्या।

vi) कक्षा में देर से जाने की समस्या।

vii) छात्रों से शिक्षक की समस्या।

समस्या :-

"छात्रों द्वारा गृह कार्य पूर्ण करके नहीं लाना।"

विद्यालय का नाम - ISDSK Girls H.S Samastipur

शोध का प्रकार - Action Reaserch

शोधकर्ता का नाम - Shivani Kumari

समस्या का प्रभावीकरण :-

छात्राध्यापक द्वारा पिछले कई दिनों से अनुभव किया जा रहा है कि अध्यापक द्वारा दिए गए गृहकार्य को बच्चों द्वारा पूरा नहीं किया जा रहा है जिससे उनमें गृहकार्य के प्रति रुचि समाप्त हो रही है।

अध्यापक बच्चों के विषय में बिना कुछ जाने पाठ को आगे बढ़ा रहे हैं। इसका परिणाम यह होता है कि अध्यापक जिस उद्देश्य को लेकर पाठ को पढ़ा रहे हैं वह पूरा नहीं हो रहा है। अध्यापक को यह पता ही नहीं चलता है कि बच्चे किस कारण से गृह कार्य पूरा करके नहीं ला पाते हैं।

अतः ऐसी परिस्थिति में शिक्षक के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह गृह कार्य में होने वाली कठिनाईयों को जानकर उसे दूर करने का प्रयास करें।

समस्या चुनने का कारण :-

अध्यापक द्वारा वर्ग में गृहकार्य दिया गया।

अगले दिन गृहकार्य की कॉपी जाँच करने के लिए माँगने पर कुछ छात्रों द्वारा कॉपी दी गई और कुछ छात्रों द्वारा यह कहा गया कि वे गृहकार्य को पूरा करने में असमर्थ रहें। इस समस्या का क्रियात्मक अनुसंधान करके कारण जानने की कोशिश की तथा कुछ समस्याओं का पता लगाया गया।

संभावित समाधान :-

1. यदि अध्यापक द्वारा पाठ को अच्छे तरीके से समझाया जाए।
2. यदि बच्चों को गृहकार्य के प्रश्नों को भली-भाँति समझाया जाए।
3. यदि बच्चों को गृहकार्य करने के तरीके बताया जाए।
4. बच्चों को गृहकार्य पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
5. बच्चों को गृहकार्य पूरा करने के लिए रुचि उत्पन्न की जाए।
6. बच्चों को गृहकार्य करने के फायदे को बताया जाए।

संबंधित साहित्य :-

प्राचीन काल से ही ऐसा देखा गया है कि जब बच्चे गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण करने जाया करते थे, उस समय भी गुरु के द्वारा अतिरिक्त कार्य अतिरिक्त समय पर करने के लिए दिए जाते थे। जिससे वे उस कार्य को दोहरा सकें और अभ्यास के द्वारा निपुणता हासिल कर सकें। आधुनिक युग में शिक्षकों द्वारा यह कार्य इसी उद्देश्य से दिया जाता है ताकि बच्चे पाठ को दोहरा सकें तथा उसमें सफल अर्थात् प्रवीणता प्राप्त कर सकें।

आँकड़ों का एकत्रीकरण :-

क्रियात्मक परिकल्पनाओं में पूर्व कक्षा निरीक्षण से प्राप्त आँकड़े :-

कुल छात्रों की संख्या	गृहकार्य पूरा करने वाले छात्रों की संख्या	गृहकार्य पूरा नहीं करने वाले छात्रों की सं
70	30	40

क्रियात्मक अनुसंधान की परिकल्पनाओं के संपादन के पश्चात् कक्षा निरीक्षण से प्राप्त आँकड़े :-

कुल छात्रों की संख्या	गृहकार्य पूरा करने वाले छात्रों की संख्या	गृहकार्य पूरा नहीं करने वाले छात्रों की संख्या
70	40	30

⇒ पुनर्बलन के पश्चात कक्षा में निरीक्षण से प्राप्त आँकड़े :-

कुल छात्रों की संख्या	गृहकार्य पूरा करने वाले छात्रों की संख्या	गृहकार्य पूरा नहीं करने वाले छात्रों की संख्या
70	60	10

आँकड़ों का विश्लेषण :-

⇒ प्रथम क्रियात्मक अनुसंधान के अंतर्गत छात्र अध्यापक द्वारा छात्रों में विद्यालय में गृहकार्य दिए जाने पर छात्रों द्वारा गृहकार्य पूरा करके लाने में सुधार हुआ ।

⇒ द्वितीय क्रियात्मक अनुसंधान या परिकल्पना के अंतर्गत छात्राध्यापक द्वारा अच्छे तरीके से समझाने पर छात्रों द्वारा गृहकार्य लाने में सुधार किया गया ।

⇒ तृतीय क्रियात्मक परिकल्पना के अंतर्गत छात्राध्यापक द्वारा प्रश्नों को भली-भाँति समझाने पर गृहकार्य लाने वाले छात्रों की संख्या में सुधार हुआ ।

⇒ चौथी क्रियात्मक परिकल्पना के अंतर्गत छात्राध्यापक द्वारा प्रश्नों को बनाने या गृहकार्य करने पर गृहकार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने पर गृहकार्य पूरा करके आने वाली छात्रों की संख्या में सुधार हुआ ।

⇒ पाँचवी क्रियात्मक परिकल्पना के अंतर्गत छात्राध्यापक द्वारा गृहकार्य के प्रति रुचि उत्पन्न करने पर गृहकार्य पूरा करने वाले छात्रों की संख्या में सुधार हुआ ।

⇒ छठी क्रियात्मक परिकल्पना के अंतर्गत छात्राध्यापक द्वारा गृहकार्य के होने वाले फायदे के बारे में

बताये जाने पर छात्रों में गृहकार्य पूरा करने की संख्या में काफी सुधार हुआ।

परिणाम :-

उपरोक्त कठिनाईयों के आधार पर कहा जा सकता है कि क्रियात्मक परिकल्पनाओं के संपादन के पश्चात् अध्ययन की समस्या का काफी सीमा तक सुधार संभव हुआ जिसकी पुष्टि पूर्व परीक्षण एवं पश्चात् परीक्षण से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर हो रहा है। पूर्व परीक्षण के परिणाम इंगित कर रहे हैं कि 70 छात्रों में से केवल 30 छात्र ही अपना गृहकार्य पूरा करके लाते हैं। परंतु क्रियात्मक परिकल्पना पर कार्य करने के पश्चात् 70 छात्रों में से 60 छात्रों ने गृहकार्य पूरा करके लाते हैं।

* निष्कर्ष :-

उपरोक्त परिणामों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि यदि छात्रों पर ध्यान दिया जाए तो छात्र गृहकार्य अवश्य पूरा करके लाएँगे तथा छात्रों को गृहकार्य के फायदे बताए जाए तो इस समस्या का समाधान किया जा सकता है।

* सुझाव :-

शिक्षकों को सक्रिय होकर गृहकार्य करवाना चाहिए जिससे बच्चों में घर पर पढ़ने की प्रवृत्ति का विकास होगा तथा जिससे बच्चों को भविष्य में अनेक फायदे हो सकते हैं।

RATING SCALE FOR THE SET INTRODUCTION OF THE LESSON SKILL

पाठ की प्रस्तावना कौशल : निर्धारण मापनी

छात्राध्यापक का नाम : SHIVANI KUMARI

अनुक्रमांक : 2241272

सत्र : 2021-23

विषय : Biology

प्रकरण : Tissue

कक्षा : 10th

दिनांक : 10/1/2023

		बहुत अधिक क्षीण	बहुत क्षीण	क्षीण	औसत	अच्छा	बहुत अच्छा	उत्तम
क्रमांक	घटक	1	2	3	4	5	(6)	7
1.	पूर्वज्ञान (Previous Knowledge) का प्रयोग किया गया।	1	2	3	4	5	(6)	7
2.	विचारों (Ideas) कथनों (Statements) प्रश्नों आदि में तारतम्बयता (Coordination) थी।	1	2	3	4	(5)	6	7
3.	पाठ के उद्देश्यों (Aims and objectives) को ध्यान में रखकर विभिन्न प्रकार की सहायक सामग्री (Aids) का प्रयोग किया गया।	1	2	3	4	5	(6)	7
4.	पाठ को प्रारंभ करने में जिन-जिन कथनों (Statements) का प्रयोग किया गया उसका सम्बन्ध प्रकरण (Topic) से था।	1	2	3	4	(5)	6	7
5.	प्रस्तावना (Introduction) की अवधि उपयुक्त थी।	1	2	3	4	(5)	6	7
6.	शिक्षक ने विद्यार्थियों में रूचि एवं अभिप्रेरणा (Interest & Motivation) जागृत की ।	1	2	3	4	5	(6)	7

निर्देश (Guide Line) इस निर्धारण मापनी में घटक के समक्ष 1 से 7 तक अंक लिखे गये हैं। अंक 1 न्यूनतम सफलता एवं अंक 7 अधिकतम सफलता को दर्शाता है। इसे ध्यान में रखते हुए निरीक्षणकर्त्ता घटक के प्रयोग का उचित निर्णय कर किसी एक अंक पर (0) वृत्त बनायेंगे।

निरीक्षणकर्त्ता (Supervisors):-

1. Surabhi Kumari
2. Namrata Neha
3. Rupa kumari
4. Madhu kumari

RATING SCALE FOR THE SKILL OF ILLUSTRATING WITH EXAMPLES

दृष्टांत कौशल : निर्धारण मापनी

छात्राध्यापक का नाम : BHVANI KUMARI

अनुक्रमांक : 2241272

सत्र : 2021 – 2023

विषय : Physics

प्रकरण : Source of Energy

कक्षा : 10th

दिनांक : 23/01/2023

		बहुत अधिक क्षीण	बहुत क्षीण	क्षीण	औसत	अच्छा	बहुत अच्छा	उत्तम
क्रमांक	घटक	1	2	3	4	5	6	7
1.	सरल उदाहरण का प्रयोग किया गया । (Use of simple examples)	1	2	3	4	5	6	(7)
2.	उदाहरण रूचिकर थे । (Interested Examples)	1	2	3	4	5	6	(7)
3.	उदाहरण के लिए उपयुक्त विधियाँ (Proper Methods) का चयन किया गया है ।	1	2	3	4	(5)	6	7
4.	दृष्टांत की संख्या (No. of Illustrations) उपयुक्त थी।	1	2	3	4	5	(6)	7
5.	उदाहरणों को संप्रत्ययों (Concepts) एवं विचारों (Ideas) से सम्बद्धता थी।	1	2	3	4	(5)	6	7
6.	विद्यार्थियों द्वारा (Illustration) भी दृष्टांत या उदाहरण (Examples) दिये गए ।	1	2	3	4	(5)	6	7

निर्देश (Guide Line) इस निर्धारण मापनी में घटक के समक्ष 1 से 7 तक अंक लिखे गये हैं। अंक 1 न्यूनतम सफलता एवं अंक 7 अधिकतम सफलता को दर्शाता है। इसे ध्यान में रखते हुए निरीक्षणकर्त्ता घटक के प्रयोग का उचित निर्णय कर किसी एक अंक पर (0) वृत्त बनायेंगे।

निरीक्षणकर्त्ता (Supervisors):-

1. Anchal Kumari
2. Sonali Kumari
3. Neha Kumari
4. Madhu Kumari

RATING SCALE FOR QUESTIONING SKILL

प्रश्न कौशल : निर्धारण मापनी

छात्राध्यापक का नाम : SHIVANI KUMARI

अनुक्रमांक : 2241272

सत्र : 2021 - 2023

विषय : Biology

प्रकरण : Human Heart

कक्षा : 9th

दिनांक : 24/11/2023

क्रमांक	घटक Components	बिल्कुल नहीं	कुछ हद तक ठीक	औसत ठीक	बहुत हद तक ठीक	बहुत अधिक
		1	2	3	4	5
	प्रश्न की संरचना से सम्बन्धित (Components related to Structuring the questions)					
1.	सम्बद्धता (Relevance)				✓	
2.	सटीकता (Preciseness)				✓	
3.	स्पष्टता (Clarity)				✓	
4.	व्याकरण की शुद्धता (Use of appropriate grammer)					✓
5.	प्रश्न का स्तर एवम् उपयुक्तता (Level of questions) प्रश्न पूछने की कला से सम्बन्धित (Components related to skill asking questions)					✓
6.	गति (Speed)				✓	
7.	आवाज (Voice)				✓	
8.	प्रश्नों के वितरण की उपयुक्तता (Irrelevent frequency of questions)					✓
अन्य						
10.	प्रश्नों की अनावश्यक पुनरावृत्ति (Irrelevent frequency of questions)					✓
11.	प्रश्नों की संख्या की दृष्टि से उचित प्रयोग					✓
12.	प्रश्नों पूछने के उपरान्त दिया गया समय					✓

निर्देश (Guide Line) उक्त निर्धारण मापनी में निरीक्षणकर्त्ता को प्रत्येक घटक के सामने किस हद तक उसका प्रयोग किया गया है सही का (√) निशान लगाना होगा।

निरीक्षणकर्त्ता (Supervisors):-

1. Neha Kumari
2. Shalini suman
3. Kusum Kumari
4. Madhu Kumari

RATING SCALE FOR PROBING QUESTION SKILL

अनुशीलन प्रश्न कौशल : निर्धारण मापनी

छात्राध्यापक का नाम : Shivani Kumari

अनुक्रमांक : 2241272

सत्र : 2021-23

विषय : जीव विज्ञान

प्रकरण : जीव विकास

कक्षा : 9th

दिनांक : 18/01/2023

क्रमांक	घटक (Components)	न्यूनतम				अधिकतम		
		1	2	3	4	5	6	(7)
1.	संकेतात्मक (Promoting Question) प्रश्न पूछे गये ।	1	2	3	4	5	6	(7)
2.	विस्तृत सूचना प्राप्ति हेतु प्रश्न पूछे गये । (Question Seeking further information)	1	2	3	4	5	(6)	7
3.	पुन: केन्द्रण (Refocussing) प्रश्न पूछे गये ।	1	2	3	4	(5)	6	7
4.	आलोचनात्मक सजगता (Critical awareness) का विकास किया गया ।	1	2	3	4	(5)	6	(7)
5.	प्रश्न को पुन: प्रेषित (Redirection) किया गया ।	1	2	3	4	5	(6)	7

निर्देश (Guide Line) इस निर्धारण मापनी में घटक के समक्ष 1 से 7 तक अंक लिखे गये हैं। अंक 1 न्यूनतम सफलता एवं अंक 7 अधिकतम सफलता को दर्शाता है। इसे ध्यान में रखते हुए निरीक्षणकर्त्ता घटक के प्रयोग का उचित निर्णय कर किसी एक अंक पर (0) वृत्त बनायेंगे।

निरीक्षणकर्त्ता (Supervisors):-

1. Namrata Neha
2. Kusum Kumari
3. Madhu
4. Sonali

RATING SCALE FOR STIMULUS VARIATION SKILL

उद्दीपन परिवर्त्तन कौशल : निर्धारण मापनी

छात्राध्यापक का नाम : Shivani Kumari

अनुक्रमांक : 2241272

सत्र : 2021-23

विषय : Biology

प्रकरण : Ecosystem

कक्षा : 9th

दिनांक : 19/01/2023

क्रमांक	घटक (Components)	1	2	3	4	5	विशेष
1.	शरीर संचालन (Body movements)						✓
2.	भाव मुद्रा (Gestures)					✓	
3.	स्वर परिवर्त्तन (Change in speech patterns)					✓	
4.	केन्द्रकरण (Focussing)						✓
5.	शिक्षक-छात्र परस्पर क्रिया परिवर्तन (Change in interaction style of teacher-pupil)					✓	
6.	विराम (Pause)						✓
7.	दृश्य-श्रव्य क्रम परिवर्त्तन (Change in Audio Visual)					✓	
8.	छात्र सहभागिता (Pupil Participation)						✓

निर्देश (Guide Line) : उक्त निर्धारण मापनी में निरीक्षणकर्त्ता को यह ज्ञात होता है कि किस घटक का उपयोग छात्राध्यापक द्वारा किस सीमा तक सही या गलत किया गया इस निर्धारण मापनी में 1 से 5 अंक हैं निरीक्षणकर्त्ता को यह देखना है कि छात्राध्यापक ने किस सीमा तक घटक का सही प्रयोग किया है उसके अनुसार (√) सही का निशान लगाना है।

निरीक्षणकर्त्ता (Supervisors):-

1. Madhu
2. Rupanjali
3. Neha
4. Shaleine

RATING SCALE FOR SKILL OF REINFORCEMENT

पुनर्बलन कौशल : निर्धारण मापनी

छात्राध्यापक का नाम : SHIVANI KUMARI

अनुक्रमांक : 2241272

सत्र : 2021 – 2023

विषय : Biology

प्रकरण : Respiration

कक्षा : 10th

दिनांक : 21/01/2023

क्रमांक	प्रयोग में लानेवाले घटकों (Components) की सूचि	बहुत अधिक क्षीण	बहुत क्षीण	क्षीण	औसत	अच्छा	बहुत अच्छा	उत्तम
		1	2	3	4	5	6	7
1.	शाब्दिक धनात्मक पुनर्बलन का प्रयोग (Use of Positive Verbal Reinforcement)					✓		
2.	अशाब्दिक धनात्मक पुनर्बलन का प्रयोग (Use of non Verbal Reinforcement)					✓		
3.	शाब्दिक ऋणात्मक पुनर्बलन का प्रयोग (Use of Negative Verbal Reinforcement)					✓		
4.	अशाब्दिक ऋणात्मक पुनर्बलन का प्रयोग (Use of Negative non Verbal Reinforcement)					✓		
5.	अतिरिक्त शाब्दिक पुनर्बलन का प्रयोग (Use of Extra Verbal Reinforcement)						✓	
6.	छात्रों के उत्तर दोहराना एवम् पुनर्रचना करना (Repeating and Repharasing Pupil Response)							✓
7.	छात्रों के उत्तर श्यामपट पर लिखें गये (Pupil answers on black board)							✓
8.	पुनर्बलन का अनुपयुक्त प्रयोग (Irrelevent use of Reinforcement)						✓	

निर्देश (Guide Line) उक्त निर्धारण मापनी में निरीक्षणकर्त्ता को प्रत्येक घटक के सामने किस हद तक उसका प्रयोग किया गया है सही का (√) निशान लगाना होगा।

निरीक्षणकर्त्ता (Supervisors):-

1. Madhu
2. Neha
3. Namrata
4. Shalini

OBSERVATION SCHEDULE FOR USE OF BOARD

श्यामपट प्रयोग कौशल : निर्धारण तालिका

छात्राध्यापक का नाम : SHIVANI KUMARI

अनुक्रमांक : 2241272

सत्र : 2021 - 2023

विषय : Chemistry

प्रकरण : Metals & Non-Metals

कक्षा : 10th

दिनांक : 25/01/2023

क्रमांक	घटक (Components)	वांछनीय व्यवहार (Desirable Behavour)	वआंछनीय व्यवहार (Undesirable Behavour)
1.	अक्षर सुस्पष्ट (Clear Writing थे	✓	
2.	दो अक्षरों के बीच (Space Between two words) समुचित अन्तर था	✓	
3.	अक्षरों की मोटाई एक समान (Uniform) थी	✓	
4.	अक्षरों की मोटाई एक समान (Uniform) थी	✓	
5.	शब्द व वाक्य सीधी रेखा (Straight line) में थे	✓	
6.	दो पंक्तियों के बीच (Space between two line) प्रर्याप्त स्थान था	✓	
7.	अनावश्यक बिन्दु (Irrelevent Point) मिटाये गये	✓	
8.	श्यामपट कार्य में तारतम्यता (Continuty and Relevance) थी	✓	
9.	कार्य को संक्षिप्त व सरल (Simple & Short) रूप में प्रस्तुत किया गया	✓	
10.	मुख्य बिन्दुओं के रेखांकित (Main Point Underline) किया गया	✓	
11.	रेखाचित व चित्र (Sketch & Diagram) बनाये गये	✓	
12.	चॉक की आवाज (Sound of Chalk)	✓	
13.	शिक्षक के खड़े रहने (Standing Position of teaching) की स्थिति,		
	श्यामपट के बायें या दायें तरफ थे	✓	
14.	श्यामपट कार्य से पूर्व स्वच्छ (Well cleaned before starting		
	blackboard) कर लिया गया था	✓	
15.	डास्टर का प्रयोग	✓	
16.	संकेतक का प्रयोग (Use of Symbois)	✓	

निर्देश (Guide Line) उक्त निर्धारण मापनी में निरीक्षणकर्त्ता को प्रत्येक घटक के सामने किस हद तक उसका प्रयोग किया गया है सही का (√) निशान लगाना होगा।

निरीक्षणकर्त्ता (Supervisors):-

1. Sonali Kumari
2. Namrata Neha
3. Madhu Kumari
4. Neha Kumari

RATING SCALE FOR THE CLOSURE SKILL

समाप्ति कौशल : निर्धारण मापनी

छात्राध्यापक का नाम : SHIVANI KUMARI

अनुक्रमांक : 2241272

सत्र : 2021 - 2023

विषय : physics

प्रकरण : Energy

कक्षा : 9th

दिनांक : 27/01/2023

		बहुत अधिक क्षीण	बहुत क्षीण	क्षीण	औसत	अच्छा	बहुत अच्छा	उत्तम
क्रमांक	**घटक**	1	2	3	4	5	6	7
1.	व्याख्यान (Lecture) को उचित ढंग से समाप्त किया गया	1	2	3	4	5	6	(7)
2.	व्याख्यान को आकर्षक ढंग से समाप्त किया गया	1	2	3	4	5	(6)	7
3.	समाप्त (Closure) का सम्बन्ध विषय वस्तु के उद्देश्यों एवं प्राप्य उद्देश्यों से था	1	2	3	4	5	(6)	7
4.	समाप्त (Closure) निर्धारित समय में किया गया	1	2	3	4	5	(6)	7
5.	समापन (Closure) किया नहीं गया	1	2	3	4	(5)	6	7

निर्देश (Guide Line) इस निर्धारण मापनी में घटक के समक्ष 1 से 7 तक अंक लिखे गये हैं। अंक 1 न्यूनतम सफलता एवं अंक 7 अधिकतम सफलता को दर्शाता है। इसे ध्यान में रखते हुए निरीक्षणकर्त्ता घटक के प्रयोग का उचित निर्णय कर किसी एक अंक पर (0) वृत्त बनायेंगे।

निरीक्षणकर्त्ता **(Supervisors)**:-

1. Kusum Kumari
2. Pooja Kumari
3. Namrata Neha
4. Madhu Kumari